टीईई (दिसंबर 2026 और जून 2027) के लिए असाइनमेंट

बीए (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र

पाठ्यक्रम: ज्ञानमीमांसा (Epistemology)

पाठ्यक्रम कोड: BPYC-110

नोट:

- सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- सभी पाँचों प्रश्नों के अंक समान हैं।
- प्रश्न 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।
- यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।

1. ज्ञान की पारंपरिक परिभाषा को 'न्यायसंगत सत्य विश्वास' (Justified True Belief - JTB) के रूप में चर्चा कीजिए। ज्ञान की प्राप्ति में विश्वास, सत्य और प्रमाणीकरण की भूमिका को समझाइए। **20**

अथवा

ज्ञान के उद्गम और स्रोतों के संबंध में तर्कवाद और अनुभववाद के बीच के विवाद का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

2. भारतीय दर्शन में ज्ञान के एक स्रोत के रूप में प्रत्यक्ष की अवधारणा को समझाइए। इसके महत्व और सीमाओं पर चर्चा कीजिए। **20**

अथवा

मूल आधारवाद (Foundationalism) और सुसंगततावाद (Coherentism) की अवधारणाओं पर चर्चा कीजिए। ज्ञान के औचित्य के प्रति उनके दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए। **20**

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए। **2 × 10 = 20**

(क) भारतीय दर्शन में सत्य के सिद्धांतों को समझाइए।

(ख) ज्ञान के एक स्रोत के रूप में अनुमान की भूमिका की चर्चा कीजिए।

(ग) ज्ञान, अनुभव और कार्य-कारण संबंध पर ह्यूम के विचारों का परीक्षण कीजिए।

(घ) ज्ञान के एक वैध स्रोत के रूप में शब्द प्रमाण के महत्व को समझाइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए। **4 × 5 = 20**

(क) ज्ञान और विश्वास के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) संशयवाद के स्वरूप और महत्व को समझाइए।

(ग) गेटियर समस्या क्या है?

(घ) कांट के प्रागनुभविक (a priori) और अनुभवसापेक्ष (a posteriori) ज्ञान के बीच के अंतर को समझाइए।

(ङ) पॉपर की असत्यीकरण पद्धति (Method of Falsification) को समझाइए।

(च) "प्रतिबिंबीय मन " से क्या तात्पर्य है?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। **5 × 4 = 20**

(क) सत्य

(ख) प्रमाणीकरण

(ग) अर्थ-सिद्धांत

(घ) प्राकृतिकृत ज्ञानमीमांसा

(ङ) सत्य संगतता

(च) कॉजिटो एर्गो सम (Cogito Ergo Sum)

(छ) ज्ञान और मानवीय हित

(ज) दृष्टिकोणीय सिद्धांत